Economics D.1 Sub Lecture N. 19

Dr. Vinod Baitha
Deptt of Economics
Marwari college Darbhanga

सकल घरेलु उत्पाद GDP
Gross Domestic Product

सकल घरेलु उत्पाद Gross Domestic Product या सकल घरेलु आय एक अर्थव्यवस्था के आर्थिक प्रदर्शन का एक बुनियादी माप है। यह एक वर्ष में एक राष्ट्र की सीमा के भीतर सभी अंतिम माल और सेवाओं का बाजार मूल्य है। दुसरे शब्दों में किसी देश में किसी दिये हुए वर्ष में उत्पादन के साधनों द्वारा — उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के बाजार मूल्य को कुल घरेलु उत्पादन कहा जाता है The Market Value of all final goods and service produced by The factors of production in a country - During a given year is called Gross Domestic product. यहाँ स्मरणीय है कि किसी दिये हुए वर्ष में वस्तुएँ एवं सेवाएँ देश के अंदर ही उत्पादित होनी चाहिए, उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं में प्राथमिक Primary द्वितीयक Secondary तथा तृतीयक Tertiary क्षेत्र में उत्पादित वस्तुएँ तथा सेवाएँ सम्मिलित की जाती है पुन: Gross Domestic product में केवल अंतिम वस्तुओं के मौद्रिक मूल्य Money Value को सम्मिलित किया जाता है अंतिम वस्तुओं Final Goods तथा मध्यवर्ती वस्तुओं Intermediate goods में अंतर होता है। अंतिम वस्तुएँ तैयार वस्तुएँ Finished Goods होती है

जो उपभोक्ताओं तथा फर्मों के द्वारा अंतिम रूप से उपभोग एवं विनियोग के लिए प्रयोग की जाती है उनका प्रयोग आगे उत्पादन के किसी स्तर में नहीं किया जाता

दूसरी ओर मध्यवर्ती वस्तुएँ Intermediate goods वे वस्तुएँ होती है जिनका प्रयोग अन्य वस्तुओं के प्रयोग में किया जाता है और इसलिए वे अंतिम वस्तु के उत्पादन में एक स्तर से दूसरे स्तर तक जाती रहती हैं। उदाहरण के लिए रोटी अंतिम वस्तु है तो गेहूँ तथा आटा मध्यवर्ती वस्तु है क्योंकि किसी अन्य वस्तु के उत्पादन में रोटी का प्रयोग नहीं किया जाता।

दूसरे शब्दों में सकल घरेलू उत्पाद Gross Domestic Product को तीन प्रकार से परिभाषित किया जा सकता है जिसमें सभी व्यवहारात्मक रूप से समान हैं। पहला यह एक निश्चित समय अवधि में (आम तौर पर 365 दिन या (एक वर्ष) एक वर्ष के भीतर उत्पादित सभी अंतिम माल और सेवाओं के लिए किये गए कुल व्यय के बराबर है। दूसरा यह एक देश के भीतर एक अवधि में सभी उद्योगों के द्वारा उत्पादन की प्रत्येक अवस्था (मध्यवर्ती चरण) पर कुल वर्धित मूल्य और उत्पादों पर सब्सिडी रहित कर के योग के बराबर है तीसरा यह एक अवधि में देश के उत्पादन के द्वारा उत्पन्न आय के योग के बराबर है

सकल घरेलू उत्पाद Gross Domestic product के मापन और मात्रा निर्धारण का सबसे आम तरीका है खर्च या व्यय विधि Expenditure Method-

सकल घरेलू उत्पाद = उपभोग + सकल निवेश + सरकारी खर्च + (आयात - निर्यात) या

$$GDP = C + I + G + (X - M)$$

सकल का अर्थ है सकल घरेलू उत्पाद में से पूँजी शेयर के मूल्य ह्रास को घटाया नहीं गया है। यदि शुद्ध निवेश

(जो सकल निवेश माइनस ह्रासमूल्य है) को उपर्युक्त समीकरण में सकल निवेश के स्थान पर लगाया जाय तो शुद्ध घरेलू उत्पाद का सूत्र प्राप्त होता है इस समीकरण में उपभोग और निवेश में अंतिम माल और सेवाओं पर किये जाने वाले व्यय हैं। समीकरण का निर्यात-आयात वाला भाग (जो अक्सर शुद्ध निर्यात कहलाता है) घरेलू रूप से उत्पन्न नहीं होने वाले व्यय के भाग को घटाकर (आयात) और इसे फिर से घरेलू क्षेत्र में जोड़ कर (निर्यात) समायोजित करता है।

सकल घरेलू उत्पाद के घटक - प्रत्येक-चर C (उपभोग) I निवेश G सरकारी व्यय और X-M (शुद्ध निर्यात) जहाँ GDP = C+I+G+(X-M)

* C (उपभोग) अर्थव्यवस्था में निजी उपभोग है इसमें अधिकांश व्यक्तिगत घरेलू व्यय जैसे भोजन, किराया, चिकित्सा व्यय और इस तरह के अन्य व्यय शामिल हैं।

* I निवेश को व्यवसाय या घर के द्वारा पूँजी के रूप में लगाये जाने वाले निवेश के रूप में परिभाषित किया जाता है, एक व्यवसाय के द्वारा निवेश के उदाहरणों में शामिल है एक नयी खान का निर्माण कार्य एक सॉफ्टवेयर को खरीदना या एक फैक्ट्री के लिए एक मशीन या उपकरण खरीदना।

एक घर के द्वारा (सरकार नहीं) नए आवास पर खर्च करना भी निवेश में शामिल है इसके बोलचाल के अर्थ के विपरीत GDP सकल घरेलू उत्पाद में निवेश का अर्थ वित्तीय उत्पादों के क्रय से नहीं है वित्तीय उत्पादों के क्रय को बचत के रूप में वर्गीकृत किया जाता है निवेश के रूप में नहीं विगद (सिद्धान्त में) स्पष्ट है कि यदि धन को माल या सेवाओं में बदला जाता है यह निवेश है लेकिन यदि आप एक बॉन्ड या स्टॉक का एक शेयर खरीदते हैं या हस्तांतरण भुगतान GDP (सकल घरेलू उत्पाद) अलग कर दिया जाता है तो स्टॉक या बॉण्ड परोक्ष रूप से GDP (सकल घरेलू उत्पाद) को प्रभावित करते हैं हालांकि ऐसे क्रय को सामान्य भाषा में निवेश ही कहा जाता है कुल आर्थिक दृष्टिकोण से यह केवल अनुबंधों का विनिमय है और ...

उत्पादन या GDP (सकल घरेलु उत्पाद) का हिस्सा नहीं है।

* G (सरकारी व्यय) अंतिम माल और सेवाओं सरकारी व्यय का योग है इसमे सरकारी कर्मचारियों का वेतन सेना के लिए हथियार का खरीद और सरकार के नए निवेश व्यय शामिल है। इसमे कोई हस्तांतरण भुगतान जैसे सामाजिक सुरक्षा या बेरोजगारी का लाभ शामिल नहीं है

* X (निर्यात) सकल निर्यात है GDP (सकल घरेलु उत्पाद) वह राशी है जो एक देश उत्पादन करता है। इसमे अन्य राष्ट्रों के उपभोग के लिए तैयार किया गया माल और सेवाएँ भी शामिल हैं। इस लिए निर्यात को जोड़ा जाता है

* M (आयात) सकल आयातहै आयात को घटाया जाता है चूँकि आयात की गयी वस्तुओं को G.I. या C पदों में शामिल किया जाएगा और इन्हे विदेशी आपूर्ति के गणना करने से बचने के लिए घटया जाता है।

सकल घरेलु उत्पाद पर के उदाहरण :- C.I.G और NX के उदाहरण (शुद्ध निर्यात) यदि आप अपने होटल के नवीनीकरण के लिए धन खर्च करते है ताकि अधियोग की दरों में वृद्धि हो तो यह निजी निवेश है लेकिन यदि आप वैसा करने के लिए संघ में शेयर खरीदते है तो वह बचत है सकल घरेलु उत्पाद के मापने के दौरान पहले वाला का उपयोग किया जाता है (I में) बाद वाले का नहीं लेकिन जब संघ नवीनीकरण पर अपने स्वयं को खर्च करता है तब इस खर्च को सकल घरेलु उत्पाद में शामिल किया जाएगा। उदाहरण के लिए यदि एक होटल निजी घर हो, तब नवीनीकरण व्यय को उपभोग (C) माना जाएगा। लेकिन यदि एक सरकारी एजेंसी होटल को एक नागरिक सेवाओं को एक कार्यालय में बदल रही है तो नवीनीकरण व्यय को सार्वजनिक व्यय (G) का एक भाग माना जाएगा। यदि नवीनीकरण में विदेश से एक झुमर की खरीद शामिल है तो व्यय की गणना भी आयात की वृद्धि के रूप में की जाती है ताकि NX का मान गिर जाए और कुल GDP क्रय के द्वारा प्रभावित होता है यह तथ्य इस प्रकाश डालता है कि GDP कुल उपभोग या व्यय के बराबर घरेलु उत्पाद को मापने के लिए हो व्यय वास्तव में उत्पादन का आकलन करने के लिए एक सुविधा जनक तरीका है।